श्याम तेरी यादें | By Kumar Vishu

मुझे सोने नहीं देती श्याम तेरी यादें
शयम तेरी यादें
आँखों आँखों में ही कट जाती हैं रातें
आँखों आँखों में ही कट जाती हैं रातें

याद आती है सांवरी सूरत नैना वो कजरारे
वो काँधे पे सुनहरी बागा हम जिस पर दिल हारे
तेरे बिना पल कटते नहीं हैं काटे
हां नहीं हैं काटे
आँखों आँखों में ही कट जाती हैं रातें
आँखों आँखों में ही कट जाती हैं रातें

वो कानो के कुण्डल प्यारे गल वैजन्ती माला
मुकुट विराजे सर सोने का जिसका तेज निराला
उसकी कृपा की मैं चाहूँ रोज़ बरसातें
रोज़ बरसातें .....
आँखों आँखों में ही कट जाती हैं रातें
आँखों आँखों में ही कट जाती हैं रातें

कभी कभी तो ऐसा लागे सामने है वो मेरे
चाहे दूर लगाए बैठा है खाटू में डेरे
आँखें बंद जो करू मैं बाबा दिख जाते
हाँ जी दिख जाते
आँखों आँखों में ही कट जाती हैं रातें
आँखों आँखों में ही कट जाती हैं रातें

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%82-by-kumar-vishu/